Why should your School Join Scouting this Year?

JOIN SCOUTING
The Largest YOUTH Movement of the World in 216 Countries

<table>
<thead>
<tr>
<th>Rajasthan is the largest State</th>
<th>Nominal membership Rs. 30 per scout/guide per year</th>
<th>Both boys/girls from Nursery class to class XII</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>More than 10 lac students are members</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

- **ADVENTURE ACTIVITIES**
  (Hiking, Mountaineering, Camping)
- **ADVENTURE TOUR**
  to popular sites in the country and abroad every year
- **RESIDENTIAL CAMPING**
  in 30 well equipped training centers in the State
- **CERTIFICATE COURSES**
  for Governor, President Award and many more...
- **FREE BASIC TRAINING**
  to In-charge teachers of the Schools
- **SKILL DEVELOPMENT**
  and Hobby classes

---

**RAJASTHAN STATE BHALAT SCOUTS & GUIDES**

Tel : 0141-2706830, 2706032  |  Fax :: 0141-2707679  |  Email : rajscoutguide@yahoo.com
Website : http://www.education.rajasthan.gov.in/scoutsguides
Contact Officer at State Headquarter (SOC): Sh. Gopa Ram Mali, Mob.: 8003097180
इस अंक में

- दिशाबोध
- सम्पादकीय
- भंदवाला: श्री ओमप्रकाश गलोत्र, पुलिस महानिदेशक – राजस्थान
- स्वरूपाथ्र अभियान
- सुरक्षा भारत अभियान
- बुधजन समर्थन एवं संभाषण
  - प्रो. सुषमा सिंहवी
  - अनंतोपीय बिकल्पात्मक दिवस
  - जैसे वे कहते........
  - राजेंद्र भानवत
- हमेशा को सलाम
- राज्य स्तरीय व्यवस्था प्रशिक्षण शिखर
- राष्ट्रीय व्यवस्था योजना
- दिवालियों के लिए योजनाएं
- कब-पुरूष सुधार: मुख्य एवं संस्कृति का मनोमोहक संगम
- गणतंत्र दिवस आयोजन
- सांस्कृतिक धर्मात्मक प्रशिक्षण शिखर
- आयुष्य प्रवर्धन प्रशिक्षण शिखर
- प्राथमिक सहयोग प्रशिक्षण शिखर
- विविध प्रशिक्षण शिखर
- देश में महानामों द्वारा हामिल उपलब्धियाँ
- सूचना नमस्कार, सरकारी स्तरात्मक सार्वजनिक सम्मेलन
- स्थानिक विभाग
- सामुदायिक सेवा योजना कार्यक्रम एवं रिलायंस
- दक्षता पदक: अन्येश्वर/खोज एवं नागरिक सुरक्षा
- गतिविधि पत्रिका

पृष्ठ संख्या

- 4
- 5
- 6
- 7
- 8
- 9
- 10
- 11
- 12
- 13
- 14
- 15
- 16
- 17
- 18
- 19
- 20
- 21
- 22
- 23
- 24
- 25
- 26
- 27
- 28
- 29
- 30

6 मार्च, 2018
रोवरिंग शताब्दी वर्ष

मूर्ति विश्व में वर्ष 2018 को रोवरिंग शताब्दी वर्ष के रूप में हर्षोलास के साथ मनाया जा रहा है। मन में सेवा का ध्येय संजोये रोवर्स निष्कर्ष भाव से सेवा धर्म की पालना में समर्पित हैं। विश्व में यही एक ऐसा संगठन है जो सेवा एवं समर्पण के मामले में शताब्दी होने तक अपनी निर्भरता को बरकरार रखे हुए है। स्काइट गाइड आन्दोलन के संस्थापक लाईह बैडन पॉवेल ने अपनी प्रथिम पुस्तक रोवरिंग दू सक्सेस में लिखा है, "रोवर संगठन खुली हवा और सेवा का महाभारा है। वे खुली सड़क के पदयात्री हैं और जंगल में शिविर लगाने वाले हैं, जो स्वयं अपने पैरों पर खड़े होने की क्षमता तो रखते ही हैं, साथ ही दूसरों की सहायता करने की योग्यता रखते हुए उसके लिए सदैव तत्पर रहते हैं।"

मुझे यह कहते हुए है कि राजस्थान प्रांत ने रोवरिंग के क्षेत्र में राष्ट्र को ‘आमीर रोवरिंग/रेजरिंग’ के रूप में नवीन विधा से स्वरूप कराया और राष्ट्र निर्माण के इस महत्वपूर्ण योगदान के फलस्वरूप 1972 में हमारे प्रदेश संगठन को स्काइट गाइड के एशिया पैसिफिक रीजन द्वारा ‘आला-आला पुरस्कार’ से अलंकृत किया गया। वर्तमान में हमारे प्रदेश में 58 ग्रामीण रोवर क्रू सहित 1 हजार 2 सौ 75 रोवर क्रू संचालित हैं, जिनमें 1 हजार 3 सौ 92 ग्रामीण युवकों सहित 30 हजार 2 सौ 3 युवक रोवर्स के रूप में पंजीकृत हैं। इदारों जीवन में सीखें गए सभी सेवा के गुरु इन्हें राष्ट्र के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाते हैं। मुझे यह कहते हुए प्रसन्न है कि रोवरिंग के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें स्वयं, सुदृढ़, सुपरनॉवा, जिम्मेदार, सच्चाईं और कर्मचारियों नागरिक के रूप में परिष्कृत करने का कार्य हमारे प्रदेश में बखूबी किया जा रहा है। रोवर्स को निकाम भाव से अपने ध्येय वाद्य ‘सेवा’ को प्राप्त करने में आनन्द की अनुभूति होती हैं। समय-समय पर वे मानव जाति के हितार्थ अनेक सेवा कार्य कर राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हैं।

आज्ञावे! हम प्रण करे कि इस रोवरिंग शताब्दी वर्ष में हम सामाजिक सरकारों का पूरी निस्का के साथ निर्वाह कर मानवता के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करते हुए बड़ी संख्या में युवक-युवतियों को आन्दोलन से जुड़ने के लिए प्रेरित करिये।

सभी पाठकों को रोवरिंग शताब्दी वर्ष की असीम शुभकामनाएं....

आपका

(ज.सी. महानित)  
स्टेट चीफ कमिश्नर

6 मार्च, 2018
राज्य सचिव
रविन्दन भनोत

स्काउट गाइड भावनाओं सहित,

स्काउट गाइड ज्योति | 5
इस अंक में राजस्थान के पुलिस महानिदेशक श्री औरकाश गलोट्रा से ग्राम विस्तारी के प्रमाण सेवाएं में हुई मुलाकात के प्रमुख अंश स्कॉट्ट गैइड व्यापकता के पातकों से साझा करते हुए प्रस्ताव का अनुभव हो रहा है।

मुलाकात के दौरान श्री गलोट्रा ने जवाब 2017 में आयोजित राजकीय जमीनी तैयारी शिरक्त जगह मुकुट में गैइड्स द्वारा प्रस्तुत बैठक में कहा कि जनसंबंधी मुकुट का स्वरूप स्वरूपस्वरूप जनसंबंधी मुकुट के साथ साझा करते हुए स्कॉट्ट/गैइड्स के अनुशासन, विज्ञापन, हस्तलक्ष, सामाजिक नृत्य, गायन, पर्यटन भावना की मुक्त-कृपा से सहयोग करते हुए सभी बालक और बालिकाओं के लिए विविध सेवाएं का संचालन पर वाले दिया।

मुलाकात के दौरान श्री गलोट्रा ने जवाब 2017 में आयोजित राजकीय जमीनी तैयारी शिरक्त जगह मुकुट में गैइड्स द्वारा प्रस्तुत बैठक में कहा कि जनसंबंधी मुकुट का स्वरूप स्वरूपस्वरूप जनसंबंधी मुकुट के साथ साझा करते हुए स्कॉट्ट/गैइड्स के अनुशासन, विज्ञापन, हस्तलक्ष, सामाजिक नृत्य, गायन, पर्यटन भावना की मुक्त-कृपा से सहयोग करते हुए सभी बालक और बालिकाओं के लिए विविध सेवाएं का संचालन पर वाले दिया।

राजस्थान पुलिस विभाग के सर्वोच्च पद पर पदाधिकारी से पूर्व आप धीलपुर, चितोरगढ़, जोधपुर, भारतपुर, कृष्णदेश में पुलिस अधीक्षकों के लिए 15 अगस्त, 2001 को पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्रांसिडिंग्स पुलिस मेडिल एंड 15 अगस्त, 2009 को प्राः
करते हुए रोवर्स/रेंजर्स को सदस्य बनाने से काफी व्यक्ति बनाने वा सांस्कृतिक सम्मान कार्य स्थान में निषिद्ध रूप से सहलित होने के प्रभाव के लिए समाज के स्तर पर श्रेष्ठता की भूमिका है। यह मुख्य वातावरण निर्माण में ये युवा महत्व है। अपने प्रतिकूल शिवर में प्रारंभिक समाज में धार्मिक सम्बन्ध का विकास बहुत महत्वपूर्ण है, जिसमें समस्त सम्बन्धित अंश के साथ एक दृष्टि से लगभग कई जगहें खड़े होते हैं।

*संघर्ष रूपस के रूप में आप एक प्रवीण बल में क्या उपस्थित होते हैं?
{क्या यह मान्य है?

मैंने सुना है कि स्कूल-गाइड शिविरों में कई प्रकार की साहसिकता अर्थव्यवस्था आर्थिक प्रश्नों का सामना करने की जाती है। इस प्रश्नों में निर्देशित बनाने रखें। मैंने स्वयं स्कूल-गाइड व रोवर्स-रेंजर्स को प्राकृतिक आपातक्रमों के समय सेवाकर्मी करते हुए देखा है, जब बुधवार की बात है। ऐसे सेवाविषयक संगठन द्वारा प्रांत मदद से आपको से निपटना आसान हो जाता है। स्कूल-गाइड आवंटन महान आवंटन है, इसके कार्यक्रमों में उपस्थित होने का मन करता है।

*श्रीमती बी. सी. विवेक कर के स्नेही एवं समाज के सम्बन्ध में हितों के है।

श्री गोविंदसिंह जी स्कूल एवं गाइड आवंटन के प्रारंभिक एवं हितों के है। अपने मिलने का समय दिया, हम आभारी हैं। कामना करते हैं कि आप स्वच्छ रहें व दीर्घकाय बनें।

### स्वच्छाघ्राह अभियान

#### राज्यस्तर

राज्य भारत स्कूल व गाइड प्रदेश में संभालित नेशनल ग्रीन कोर (एमटीजी) के मौलाना अबुल कलाम आजाद और मीरांदूम रीवा से संबंधित रखने के लिए स्कूल, जोधपुर के इस क्षेत्र का स्वच्छाघ्राह अभियान का कार्यक्रम समारोह पूर्वक कमला नेहरू नगर स्त्री विद्यालय प्रादेश में समाप्त हुआ। क्षेत्रीय रूप से स्वच्छाघ्राह अभियान क्रियान्वित करने हेतु राज्य सरकार ने दी आवेदन करते हुए शिक्षा मंत्री जनांजा द्वारा प्रचार बनावट के लिए स्कूल-गाइड के लिए उत्साहित किया।

स्कूल के प्रारंभिक उत्सव आयोजन में बात थी कि ये स्वच्छाघ्राह कार्यक्रम में सार्थक श्रेणीय तथा भारतीय मिशन के अन्तर्गत कार्य करने का देश तथा प्रमोक्षाधिक भावना है, जिससे हमारा शिक्षण संरचना करके सहयोग एवं सेवा को तोपर है। स्कूल मास्टर महेंद्र सेन के कहा कि इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छ विद्यालय एवं समुदाय स्त्री लोक में स्वच्छन्द के लिए हमारी आदतों व संस्कृति में परिवर्तन करते हुए शिक्षा सेवा से जुड़ने वाले आदतों में बदलाव करना, उनकी उपयोग साफ़ सफ़ाई, सबूत से हथ डोलना,

**व्यक्तिगत सफ़ाई, हैज़ा, टाइफाइड, जार्यारोग, चमक रोग जैसी गामाबरी बीमारियों से बचाव का संदेश देते हुए विद्यार्थियों के जरिये जन-जन को जागरूक करना है।**

मानवशास्त्र मुखिया एजुकेशन केन्द्र व्यवस्थापक सॉफ्टवेयर के महाविद्यालय महामुदर अथक्के ने सकल 10 छात्रों को इस अभियान के लिए विद्या से ज्ञान प्राप्त करने के लिए स्वच्छाघ्राह कार्यक्रम में सार्थक श्रेणीय नेशनल ग्रीन कोर के महाविद्यापीठ में स्नातकोत्तर एवं स्कूल में स्वच्छाघ्राह कार्य किया।

* उद्देश्य स्वच्छ परिवार और समुदाय से स्वच्छता के लिए हमारी आदतों व संस्कृति में परिवर्तन करते हुए शिक्षा सेवा से जुड़ने वाले आदतों में बदलाव करना, उनकी उपयोग साफ़ सफ़ाई, सबूत से हथ डोलना,

6 मार्च, 2018
सुगम्य भारत अभियान की पहल समाज के विकास व्यक्तियों को मजबूती प्रदान करने के लिए अहबू की गयी है। आर्तक से सभी सार्वजनिक स्थानों का उपयोग करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना है। ये अभियान सुलभ भारत अभियान (एकोसिडिआ इंडिया कांपन) के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि ये दिशांग लोगों के लिए समान सुविधाओं के लिए आसान पहुंच प्रदान करता है। ये कदम भारत सरकार द्वारा दिशांग लोगों द्वारा शिक्षा देखभाल, परिवहन, खेल, मनोरंजन और कई और अधिक समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए दिशांग लोगों के लिए सार्वजनिक पहुंच प्राप्त करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। प्राथमिकता नए मोदी ने अपने भाषण में विकलांग व्यक्तियों को दिशांग (असाधारण क्षमताओं के लोग) कहकर संबोधित किया था कि विकलांग। इस समाज से उनकी दशा और दिशा में सुधार का उत्तरार्थ हुआ।

सुगम्य भारत अभियान पर दोहरा यह कहते है?

सुगम्य भारत अभियान भारतीय वातावरण के लिए लोगों के लिए सुलभ, सहज और दृढ़ योग्यता बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। ये दिशांग लोगों के लिए सार्वजनिक स्थानों, परिवहन, सुविधाओं और संचार प्रौद्योगिकी के पहुंच के साथ-साथ प्रयोग (उपयोग को) बढ़ाने के लिए है।

सुगम्य भारत अभियान के लक्ष्य

- इस कार्यक्रम के बारे में लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए ऑनलाइन वेब पोर्टल और मोबाइल अनुयोग विकसित करना।
- ऑनलाइन वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग के माध्यम से इस अभियान के बारे में अपने दृष्टिकोण और विचारों को अपलोड करने के लिए आम जनता को सक्षम कराने के लिए।
- लिपट, रैप, शौचालय और साइटेज (वाणिज्यिक या सार्वजनिक प्रदर्शन के संकेत) के निर्माण से दिशांग व्यक्तियों के लिए पूरी तरह से हवा आहू, रेलवे स्टेशनों और मेट्रो को सुलभ बनाने के लिए।
- जुलाई 2016 तक लगभग 75 महावाणी रेलवे स्टेशनों और सभी हवाई-अड्डों को खुलता के मानकों के साथ ही साथ जुलाई 2019 तक लगभग 200 पूरे सार्वजनिक दुसरों के मानकों को प्राप्त करना।
- इस अभियान में समर्थन करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों और निगमों को ऑफिस और परिवहन के लिए आयोजित करना।
- महासागर के चार प्रख्यात हवाओं (मुस्त, नागपुर, गुरुण और नागिक) को पूरी तरह से दिशांग के अनुसार बनाना।
- दिशांग के लिए आत्मविश्वास और बाहरी सुविधाओं (जैसे: स्कूल, कार्यालय, विकास सुविधाएं, फुटपायल, परिवहन व्यवस्था, भवन, सुविधाएं और संचार प्रौद्योगिकी, आदि) के बारे में शिक्षा और अवधारण को खराब करना।

इस अभियान की सफलता होने की संभावनाएं

इस अभियान को सही दिशा में कार्यान्वित करने के लिए सरकार द्वारा कार्य योजना तैयार की गयी है। यहाँ इस पहल की कार्य-योजना के कुछ संकेत दिये गये हैं।
- विभिन्न कार्यालयों को जोनल जागरूकता के लिए प्रभावी हितों को अभिन्न करने के लिए आयोजित किये जाने की साधन बनाई गई है, (सरकारी अधिकारियों, आर्किटेक्ट, रिजल्ट एस्टेट डेवलपर्स, इंजीनियरिंग, छात्रां आदि सहित)।
- सुमन्त योजना के अंदर बारे में प्रोफेसर, शासक पुस्तकालयों और वीडियो बनाने और विचारित करने के लिए योजना बनाई गई है।
- पोलिस से सार्वजनिक दुर्गम स्थानों, सुलभ शौचालयों, रेलवे आदि के बारे में सुधार का प्राप्त करने के लिए वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लिकेशन का (हिंदी, अंग्रेजी और अन्य क्षेत्रों में भाषाओं में) सोसाइटी मंच के रूप में बनाना।
परिवार, कुल, जाति, नगर, देश में बड़े-प्रमुख को बरिष्ठ कहते हैं तथा छोटे को किन्नर। व्यवहार में सामान्यतया 60 वर्ष या अधिक आयु प्राप्त होने पर उसे वरिष्ठ नागरिक कहा जाता है, जिसे लोक में वृद्ध या बुज्जा भी कहते हैं, तथा उनकी अवस्था की वृद्धाश्वास्या या बुज्जारा।

विवाह, कुल, जाति, नगर, देश में बड़े-प्रमुख को वरिष्ठ कहते हैं तथा छोटे को किन्नर। व्यवहार में सामान्यतया 60 वर्ष या अधिक आयु प्राप्त होने पर उसे वरिष्ठ नागरिक कहा जाता है, जिसे लोक में वृद्ध या बुज्जा भी कहते हैं, तथा उनकी अवस्था की वृद्धाश्वास्या या बुज्जारा।


प्रतिष्ठान समस्ताएं एवं सम्भावनाएं

प्रतिष्ठान—प्रो. सुषमा सिंहवी सह.स्टेंट कमिश्नर

प्रहार या जोगना बन चुकी है और यह दियांग और अस्क्रम लोगों के उपारकल्प के साथ देश के लिए आवाजक सहयोग में वृद्धि करने में सहायक होगी। यदि आवाजक के सकल और अभियोजन होने के कारण भी संगठन नहीं है। ये बास्तविकता में अपनी कार्य-रोजगार के अनुसार भी लड़कियों और उद्योजकों को प्राप्त करेगा।

निर्धारण यह है कि सूक्ष्मक तक कुड़ रूपियां यदि हैं तो उनकी जुगालता नहीं करनी चाहिए। राज्य-प्रदेश छोटाकर्म वर्तमान में प्रसन्न रहने; नापूँ-पोते-पोते के साथ निश्चल प्रेम में सराहन रहने; रिंडा-र्या-र्या को छोटाकर्म निर्मिता-सुकुम-अनांशत भाव से जीवन जीने से बुज्जा की समस्ताएं समाप्त हो जाती है।

वास्तव में बुज्जा बोझ नहीं होता, वह तो बहुमुख होता है क्योंकि उसे अनुभवों का खजाना होता है।

बुज्जा अपने समय का सर्वर तद्दोष रन करें; शमा मांगने और शमा कर देने की कला में सीधी बने, यही बुज्जा है।

मे ही ठीक हूँ, मैं बड़ा छूँ, मेरी आँखा का पालन जल्द हो, मैं तो आपकी जिद नहीं छोड़ूँगा, मैं तो नहीं बड़ा सब्ना, आदि एकनातवी विद्वारों और विद्वारों का आग्रह लागने पर ही बुज्जा सुहावी हर सकते है।

बुज्जा बचने का पुनरावृत्तित होता है, अतः कभी कभी बुज्जों के हाथ—पीने—पूर्ण—खेल करने आदि की मांग होने पर उनकी बात परिवार—जन्म एवं बुज्जाओं को बचकाने प्रयत्नों हो सकती है, वे अनुग्रह तत्क्रिया का प्रकार है और आदि आदि कर लाये या उपक्रम कर सकते हैं, कितने ऐसे स्थिति में कोई मान किया करने के प्रयास नहीं बुज्जा जयद यदि प्रेम, सीलाह, बड़ा प्रतिच्छय दे तो परिवार एवं समाज में सदा सुहाव और सामंजस्य का बातचीत बना रह सकता है।

प्रहार यह है कि बुज्जाएँ—बुज्जों—बुज्जों नागरिकों को अपने अभिनवी गोरे पर भरोसा करना नहीं है, केवल बुज्जाओं बचने—बचने के लिए कदम खाना—पीना ओडियना—पहनना नवाउना—खेलना सोना—जगाना आदि—आदि पर टोको—टोकी करते हैं? उन्हें यथोध्वय से काम करने के संस्करन देना तो बुज्जा का दायदित्त है, जो कि उन बचने या बचने में बुज्जाओं के आसार—व्यवहार को देखने से जमाते हैं, किंतु उनकी प्रतिक्रिया गतिविधि की संवृत्ता और स्वातंत्र्य का हाल बुज्जा की दक्षता अक्सर कालावर और दर्शनवृत्त स्वयं में एक सखंग है।

बुज्जा की परंपरा है कि परिवारी समय या अन्य जन उनकी देखभाल नहीं बचाया और दूसरी तरफ बुज्जा से रह दिखाने की राय देने को वेट रहते हैं और अपनी बात मनाना चाहते हैं। यही से समय और रास्मुक्ता का प्रभाव होता है इससे आवश्यक है कि बुज्जा विकल्प के बदलते परिवर्तन के नीतियों की निर्भरता की तुलना अपनी निर्भरता से न करके उनके संक्षेप प्रेम पूर्ण, तथा सही सामाजिक उपक्रिया प्रतिक्रिया प्रत्यक्ष करे और सब्ना को सहित रहने तो सब समस्ताएं सम्भावनाएं बन कर हो जाएगी।
अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस

फिलीपीन्स में दिवांगों की समाज में मौजूदा स्थिति, उन्हें आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करने तथा सुधारने विषय टूट के साथ कथानकों की योजनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रतिवर्ष 3 दिसंबर का दिन जाना जाता है।

दरअसल यह संकुचित राष्ट्र संघ की एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है जिसका उद्देश्य दिवांगों को मानवीय स्वास्थ्य से सबकुछ बनाना तथा अन्य लोगों में उनके प्रति सहयोग की भावना का विकास करना है।

एक दिवस के तीर पर इस आयोजन को मनाने की आर्थिक शुरुआत, वर्ष 1992 से हुई थी। जबकि इससे एक वर्ष पूर्व 1991 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने 3 दिसंबर से प्रतिवर्ष इस तिथि का ‘अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस’ के रूप में मनाने की रचनात्मक श्रृंखला कर दी थी।

मेडिकल कारणों से कमी-कमी यथार्थता के विशेष अंशों में दोष उपचार हो जाता है, जिसकी सजीवता से उन्हें समाज में विकलांगों की सजा दे दी जाती है और उन्हें एक विशेष काम के सदस्य के तीर पर देखा जाने लगता है। आमतौर पर हमारे देश में दिवांगों के प्रति दो तरह की धारणाएं देखी जाती हैं।

पहला, यह कि जबर इससे पीछे जमने में कोई पाप किया गया, और दूसरा कि उनका जमने ही कठिनाइयों को सहन के लिए है। हालांकि यह दोनों धारणाएं पूरीतः बेचून उचित और तर्कों ही हैं।

बाबुवर्म इसके, दिवांगों पर मांग जान-जानने, समझाने पर बाज नहीं आते। वे इतना भी नहीं समझ पाते हैं कि दिवांगों का उपहार उन्हें भरोसेमंदी की प्राप्ति दे सकता है।

अगर हमें इसकी वास्तविक शक्ति का समझना जानते हैं तो उनके साधन से कुछ समझ बनाने में हमें देर नहीं लगेगी।

भारत में अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस

देखा जाये तो भारत में दिवांगों की स्थिति संसार के अन्य देशों की तुलना में ठीक ठीक नहीं होती।

देश में हम इसी से जब दिवांगों को प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। दिवांगों के लिए हम उनके लिए अच्छी नीतियों के लिए तैयार हैं।

दिवांगों के लिए योजनाएं

दरअसल, हमारे देश में दिवांगों के उच्चारण के प्रति शिक्षित रहने चाहते हैं।

हालांकि, हमारे साथियों के प्रति देशभक्ति के लिए सिर्फ नहीं इसके सिर्फ इसके लिए है।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।

अगर हम इसे समझ सकते हैं, तो हम आज दिवांगों का काम कर सकते हैं।
इससे पहले भी दीनदयाल विकलांग पुरवा योजना के तहत विकलांग व्यक्तियों के कोशियां उन्नयन करने वाला व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र परियोजनाओं को विशेष योजना (परियोजना लगाने के 90 प्रतिशत तक) प्रदान की जाती है। इसका उद्देश्य यह है कि उन्हें अपने बच्चों को प्रेमित करने का साधन बनाने के लिए और विकलांग व्यक्तियों को स्वस्थ और सुन्दर बनाने के लिए मुझे तकनीकी सहायता प्रदान की जाए।

मानसिक सहयोग की जरूरत

आंकड़ों के लिए भारत में करीब 30 कोटि लोग शरीर के किसी विशेष अंश के बिकलांग के शिकार हैं। इसका कारण यह है कि संयुक्त राज्य अमरीका के लोगों को मानसिक सहयोग की जरूरत है। परिवार, समाज के लोगों से अपेक्षा की जाती है कि उन्हें अपने बच्चों को प्रेमित करने का साधन बनाने के लिए और विकलांग व्यक्तियों को स्वस्थ और उत्सुक बनाने के लिए मुझे तकनीकी सहायता प्रदान की जाए।

हौसला अफजाई की जरूरत

समाज के इस वर्ग को अपनाते भारत वातावरण मिले तो ये इतिहास रचे देंगे और रचते आए हैं। एक किताब की जिद्दी काफी दुःखों में भरी होती है। घर-परिवार बाले अगर मानसिक सहयोग न दें, तो व्यक्ति अंधेरे से दूर जाना है। वे दो तो दिशाओं के पार में हमारे देश में दर्जन में दर्जन नवनाम बनाए गए हैं, यहां तक कि सरकारी नौकरियों में आवश्यक या नहीं, नम्बर में भी नष्ट कर देंगे। वे भी तो मनुष्य हैं, वे अपने समाज के लिए सुझाने वाले। उन्हें भी भारत में आम लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी है। उनके अंदर हमारे अपने माता-पिता, समाज दो देश का नाम रोशन करने का सम्मान है। इससे स्तर, सीधियों पर चढ़ने-उतरने, पतिवार बनकर वहां हमें यथार्थप्रा सहयोग की सहायता करना चाहिए। आइए, एक ऐसी स्थिति में तैयार करें, जहां हमें क्षमाकर्म भी मान सकना हो कि उनके अंदर शारीरिक रूप से कुछ कम हो। हमारी यह छोटी-सी अपील है कि दिशाओं की हौसला अफजाई करें, उन्हें सहयोग दें।

जैसे वे कभी.......

एक ही वायाक
बार-बार दोहराने पर
बड़े, बूढ़े ऐसे घूटे हैं उसे
जैसे उससे कोई अपराध किया है।
क्योंकि वह चित्त तक तूफान हो गया है।
माता-पिता, कौन से हाथ
टोलेट की ओर जाते समय
एक दो बुढ़े फर्ज़ पर टटके गईं
में की माकी मांगी जैसे बुढ़े देखने पर मई
बड़े, बूढ़े ऐसे हाथ इकट्ठे देने को बेटे
जैसे गर्म तरह पर गिरने
पानी की बुढ़े भाव बनाकर उड़ने को।
भाव ऐसा है जैसे उन्होंने बचना
में काम करते हैं।
में भी भूल ही कह न हो।
ऐसा करते समय,
तब भी बुढ़े होंगे और
tबड़े, बूढ़े होंगे और
tदेश, राज्य, विदेश, जगत
उत्तराधिकारी करते हैं।
जैसे उन्होंने उसे बहाना
से किया गया, तो वे होगा और
हौसले को सलाम

विकलांगता जन्मजात भी होती है तथा दुर्घटनाओं के कारण भी। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विकलांग को दिवारांग कर संभोगित कर एक नई विभाजन समाज के समच स्वतंत्र की। जन मानता है कि यह समझना होगा कि दिवारांग्न दया के पात्र नहीं हैं, उन्हें स्थिर, ध्यान, समान, समानता और प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

हमारे मध्य अनेक दिवारांग भाई/बहिनों ने अपनी कठिन महत्व, लगान, दूढ़ इच्छाशक्ति और आत्मोद्विश्वास से ऐसी उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, जिनकी स्थान शारीरिक रूप से समक स्वतंत्र हो नहीं कर सकते हैं।

कहते हैं – ‘मन के हार, मन के जीते जीत!’

अंतरराष्ट्रीय, हेलन केंट, सतीश गुजराल, सीना जैन, मानांद्र्य शिरोमणि, जी. मिनी, सुभाष, अरुणिमा सिन्हा, सुधा चन्द्र, देवेंद्र जातिया जैसी अनेक विश्वसित हैं, जिन्होंने कसन कहानियों को चरित्रवर्धक कर दिया है। ऐसे ही कुछ दिवारांगों के हौसले को सलाम करते हुए उनका जिक्र हम पाठकों के समच कर रहे हैं।

देवेंद्र जातिया
पैरालंपिक खिलाड़ी

चुक (राजस्थान) के रहने वाले देवेंद्र जातिया का 8 वर्ष की उम्र में चूहे पर बढ़ते समय बिजली के तार को छूने से दुर्घटनाग्रस्त होने पर इलाज के दौरान चिकित्सकों द्वारा उनका बायाँ हाथ काटना पड़ा।

द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्री आर.डी. सिंह ने विषालय खेलकूद प्रतियोगिताओं में देवेंद्र जातिया की प्रतिभा को पहचान लेकर राजस्थान के पैरालंपिक खिलाड़ी के रूप में नियुक्त किया। श्री जातिया ने देश के लिए भाला फेंक स्वर्ण में दो पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। यहां स्वर्ण पदक उन्होंने दीवार वर्ष 2004 में एथेल्स में तथा दूसरा स्वर्ण पदक 2016 में रियो डी जेनेरियो में जीता था।

श्री जातिया को भारत सरकार द्वारा 2004 में अर्जुन पुरस्कार, 2012 में पदमश्री एवं 2017 में राजीव गांधी खेल रत्न से अलकृत कर सम्मानित किया गया है।

श्री जातिया भारतीय खेल प्राप्तिकर्म में सबसे बड़ी है और उनकी धर्मपत्री श्रीमती मंजू कबड्डी की राजस्थान स्तर की खिलाड़ी रही है। श्री जातिया का कहना है कि मैंने अपने प्रशिक्षण से कभी समझौता नहीं किया, यही मेरे सफलताओं का राज है।
भारत स्तरीय वक्तृत्व प्रशिक्षण शिविर

राज्य स्तरीय वक्तृत्व प्रशिक्षण के लिए क्रम से जानकारी दी गई है।

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्र.स.</th>
<th>शिविर का नाम</th>
<th>शिविर के विषय</th>
<th>समानित संख्या</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>प्री.एएल.टी कोर्स</td>
<td>14 से 18 फरवरी 2018</td>
<td>27</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>प्री.एएल.टी कोर्स</td>
<td>14 से 18 फरवरी 2018</td>
<td>24</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>आर.ओ.टी कोर्स</td>
<td>16 से 18 फरवरी 2018</td>
<td>46</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>आर.ओ.टी कोर्स</td>
<td>16 से 18 फरवरी 2018</td>
<td>15</td>
</tr>
</tbody>
</table>

शिविरों में कुल 112 समानित नौ भाषाओं में होता है। शिविर के क्रम से जानकारी दी गई है।

**वक्तृत्व प्रशिक्षण के लिए क्रम से जानकारी दी गई है।**

6 मार्च, 2018
भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत गरीबी रेखा के नीचे आने वाले वृद्धों की कामी लाम मिल रहा है। इस योजना के तहत सरकार द्वारा उन तमाम वृद्धों को, जो शारीरिक रूप से किसी तरह से भी अभाव है, उन्हें सरकार की तरफ से मुख्य कीलोमीटर तथा अन्य सहायता उपकरण दिए जाते हैं। इस योजना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी नीचे दी जा रही है।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए राष्ट्रीय वयोश्री योजना

राष्ट्रीय वयोश्री योजना को लागू करने के लिए केंद्र द्वारा दक्षिण चेन्नई और कन्नौजकुमारी का चयन किया गया। गरीबी रेखा से नीचे वीपीएल रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिए भौतिक सहायता और सहायता-कृत्रिम उपकरण उपलब्ध कराने की योजना है। यह योजना अंतर 2017 में आध्यात्मि के नेतृत्व में शुरू की गयी।

योजना की शुरूआत

यह योजना भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही है। इसकी घोषणा देश के विभिन्न अवस्था जेटली जी द्वारा 2015-16 के आम बजट के दौरान की गई थी। आम बजट 2017-18 के आयोजन के बाद एक-एक करके कई योजनाओं की शुरूआत की गई, उनमें से एक योजना "राष्ट्रीय वयोश्री योजना" की शुरूआत आध्यात्मि के नेतृत्व में 1 अप्रैल 2017 को की गयी। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अधिकारियों के रूप में ‘सामाजिक न्याय एवं अधिकारिका’ मंत्री अंजित राय याबाबु रहे। जिन्होंने इस योजना का उद्घाटन किया।

योजना के लिए आध्यात्मि के बाद लगातार हर साल यह योजना का विस्तार करने के लिए कृत्रिम संस्थानों द्वारा उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रयोजन मिलाये हैं।

योजना का उद्देश्य

सरकार ये योजना नन समय गरीबी विरिक्ष नागरिकों को धाराज में रख कर राम-कर रही है, जो उन्हें साथ आती अनुमतियों की तरह से प्रशासन रहते हैं और ऐसे से कभी कभी वह नहीं चीजर पाते। उन्हें अपने रिचार्जिंग के कामों को करने में भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें हर अपने कामों के लिए घर के अन्य सरकारों अथवा अन्य लोगों पर निर्भर रहना पड़ता है। ये समय नन इन वृद्धों को स्वीकृति बनानेते और इससे यह नन जीवन और आनंदित्वा भी अधिक होता है।

योजना का उद्देश्य उठाने के लिए योज्यता

यह योजना, जैसा कि गरीबी रेखा से नीचे आने वाले लोगों के लिए है, अतः इसके लिए पंजीकरण करते समय वीपीएल का आवेदन परिषद पड़े।

इस योजना का लाभ वही लोग उठाने सकते हैं, जिनके उस 60 वर्ष से अधिक है। अतः लाभार्थी की उम्र किसी भी मात्र दस्तावेज के तहत 60 वर्ष की होनी चाहिए।

योजना के तहत मिलने वाले सारे सामान मुफ्त दिए जाते हैं। इस योजना के तहत उपलब्ध कराये जाने वाले विभिन्नों में साइबरिक रिक, ऐल्बो क्रेस, ट्राइप इंडस, कैंडिडोपोड, अन्य व्यवसाय, कीलोमेटर, कृत्रिम डेटार्स, सेक्टिफ्लाइ सम्मिलित हैं। इन कृत्रिम उपकरणों की संख्या किसी दिन वीपीएल विशिष्ट नागरिकों की संख्या पर आधारित होती है। वर्तमान तक इन संस्थाओं में एक-एक लोग लाभ पाते है। यदि किसी दिन वीपीएल की संख्या कम कर जा सकते हैं, तद्नुसरण से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठाने सकते हैं।

सरकार इस योजना के तहत कृपा लगाती है, जिससे कई बड़े डॉक्टर्स भी मौजूद रहते हैं। ये डॉक्टर्स उन सभी लोगों का योग भर करते हैं जो ये लाभ उठाने चाहते हैं। इन्हीं डॉक्टर्स के वीपीएल के बाद उन्हें डॉक्टर द्वारा विश्वसित माननीय दर्ज हो जाती है।

योजना का पर्यवेक्षण

सन 2011 के सर्विस के अनुसार भारत में कुल 10.38 करोड़ विरिक्ष नागरिक मौजूद हैं। इनमें लगभग 5.2 प्रतिशत विशिष्ट
अग्रस नागरिकों को आयु के साथ होने वाली शारीरिक समस्याएं हैं। इस योजना के तहत इन सभी जनजीवन संबंधित नागरिकों को ध्यान में रखते हुए, इन आंकड़ों को पूरा कराने की कोशिश की जायेगी। इस योजना के दौरान देश के 5.20 लाख वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुँचाया जाएगा। सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को इस योजना का कार्यमार्ग दिया गया है। अतः इस योजना के तहत समस्त कार्य का देखें रेखे मंत्रालय ही करेगा।

**योजना की मुख्य बातें**

> भारत सरकार द्वारा पहली बार ऐसी कोई योजना चलाई जा रही है, जिसका फायदा वरिष्ठ नागरिकों को मिल रहा है।
> इस योजना के लिए सरकार ने 477 करोड़ रुपए का बजट तैयार किया है।
> ये योजना साल 2019–20 तक चलती रहेगी।
> यदि वरिष्ठ नागरिकों को एक से अधिक परेशानी अथवा रोग हो, तो प्रत्येक अक्षमता के लिए अन्य अन्य योग्यताएं दिखायी जायेंगी।
> ALMICO इस सभी आवश्यक यंत्रों का एक वर्ष तक मुफ्त मेंटेनेस का कार्यभार लेगा।
> किसी भी जिले में, जहाँ के लोगों को यह सुविधा दी जा रही है, वहाँ लाभाधिकारियों में 30 प्रतिशत विदेशी भी रहेगी।
> ये सभी आवश्यक सरकारी अपनी तरफ से केवल लगा कर करती है।

उल्लेखनीय है कि यह केंद्र सरकार द्वारा पूरा तरह से वित्त पोषित एक केंद्रीय योजना है। योजना के कार्यन्वयन के लिए खर्च "वरिष्ठ नागरिक कल्याणकारी फाउंडे" से मिलेंगे। इस योजना के अंतर्गत, अपने वृद्ध हितात्माओं के विरोध नागरिकों को सहायता प्रदान करने वाले सहयोगी उपकरण, जैसे चलने वाली बाली, कॉकी बेल्ट, बॉर्डरिंग / बेल्टबायेर, ट्राय.br /br /

**ये उपकरण मिलेंगे**

बुजुर्गों को वितरित किए जाने वाले उपकरण आईएसआई मानदंडों के अनुसार होंगे। योजना के तहत आर्थिक नुकसान, बेल्ट, ब्रेकिंग रस्ता, ब्रेकिंग ब्रेक, ब्रेकिंग ड्राइवर, लोकेमेटर अपध्ययन से निपटने वाले यंत्र समस्त अन्य उपकरण मुफ्त दिये जाने का प्रावधान है।

**निकाय**

यह देश में ऐसी महत्वपूर्ण योजना है, जो कि वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक जीवन और आर्थिक मंदी में मदद करेगी। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी 10.38 करोड़ है, जिसमें से 70 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। इनकी जनसंख्या का बड़ा हिस्सा व्यापारी स्थलों में होने वाली अक्षमताओं से पीड़ित है। एक अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2026 के अंतर्गत लोगों की आबादी बढ़कर लगभग 173 मिलियन होने की सम्भावना है। ऐसी स्थिति में यह योजना इसके लिए अत्यंत मददगार सिद्ध होगी।

गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों का जीवन स्वस्थ बनाने के लिए ये योजना बहुत ही लाभकारी सिद्ध हो रही है। इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों के लिए पहुँचाया जा रहा है। भारत सरकार का यह कदम कई जनजीवन समस्याओं के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। योजना के तहत भारत देश के सभी हिस्से को लाने की कोशिश की गयी है। सरकार की यह नीति देश के लोगों के लिए बहुत कारगर साबित हो रही है।
नहें मुकराने करे और बहकी वस्त्रों का जब एक जगह समागम हो तो वह किसी उत्सव से कम नहीं कहलाता। ऐसा ही मुसरान एवं संस्कृति का मनमोहक संगम 2 से 6 फरवरी, 2018 तक मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, रिंडलसर (बीकानेर) पर हुआ। राष्ट्र राज़ाय एवं गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय के तत्त्वाधार में रैजनल लेखन कब-बुलबुल उत्सव एवं राजस्थान राज्य राष्ट्र राज़ाय एवं गाइड, मण्डल मुख्यालय, बीकानेर द्वारा प्रथम मण्डल सत्रीय शास्त्रीय साहित्य भाषाओं स्त्री सुनवाई कब-बुलबुल उत्सव का आयोजन किया गया।

उत्सव में प्रवक्ता रैजनल केन्द्र से गोवा, महाराष्ट्र, पुजारा, छत्तीसगढ़, नाथन वेस्टन रेल्वे एवं राजस्थान के राष्ट्रीय कब-बुलबुल उत्सव में बीकानेर, चुक, हुजुनामाग, डुकुलांग, एवं श्रीगंगानगर के राष्ट्रीय कब-बुलबुल उत्सव में सहभागिता की। रैजनल लेखन कब-बुलबुल उत्सव के लिए रैजनल प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन एवं मण्डल सत्रीय कब-बुलबुल उत्सव के लिए ग्रामयात्रा व्यास थी।

उद्धारण एवं प्रेणाशयम उद्धोधन

02 फरवरी को सायं 4 बजे उत्सव का उद्घाटन-समारोह संती सोमगिरि महाराज के साक्षरता एवं माध्यमिक शिक्षा निर्देशक नमनल डिएल के मुख्ता आतिथय में सम्पन्न हुआ। आयोजक स्काउट गाइड की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो. विलाम मेंकाला ने की। इस अवसर पर भाग लेने युवियों सिंह भाऊ व अमिताभ एवं बीकानेर वायाप मण्डल के उपाध्यक्ष नर्मदेश सेंट्रा विशेष अधिकारी के रूप में उपस्थित रहे।

माध्यमिक शिक्षा निर्देशक नमनल डिएल ने कब-बुलबुल को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट/गाइड के माध्यम से बचवों में अनुशासन के साथ साथ आचार्यवास्तव को प्रभावी ढंग से विकसित किया जा सकता है। सभी बालक-बालिकाओं को अपने जीवन में एक बार स्काउट/गाइड संगठन से जुड़ना ही चाहिए।

संती सोमगिरि जी महाराज ने कहा कि इस अहिली वैशिष्ट्य उन्नयन की महत्त्वपूर्ण रणनीति में शामिल होने वाले पुण्य के भागीदार हैं। इस आयुर्वेद के बालक-बालिकाओं में प्रतिभाकर रहित रख्च वायापार की गतिविधियों का संरचन याद जाना ही उत्सव की सार्थकता है।

उत्सव का परिवर्तन देख हुए महेंद्र शर्मा ने बताया कि स्काउट/गाइड की ये कब-बुलबुल इकाई 5 से 10 वर्ष की आयु वर्ग में बालक-बालिकाओं के लिए है। महायात्रा के जंगलों द्वारा गोवा व महाराष्ट्र में संक्रमित अन्याय के बाहर गुरु विद्वानों का संरचन कर सकते।

इससे पूर्व बीकानेर के मण्डल चीफ कमिश्नर विजय शक्र आचार्य ने सभी का स्वागत उत्तलोधन किया। राष्ट्रीय मोर्चा विद्यापीठ, शास्त्रीय विद्या निर्मताओं एवं छत्तीसगढ़, गोवा व महाराष्ट्र के सरकारों ने संस्कृतिक प्रस्तुतियों के समारोह को उत्साह मय बनाया।

दैनिक गतिविधियों

दैनिक दिनचर्या के तहत प्रातः 06 बजे उठना, 7.30 बजे व्यायाम, 8 बजे नास्ता, 9 बजे से 12.30 बजे ध्यान रथ, गतिविधियों, प्रतिभागी एवं आदिवासी, 12.30 बजे भोजन, 12.30 बजे गतिविधियों, 12.30 बजे बाहर की चर्चा, 4.30 बजे धारावहीन विकास, आइश्टर्ड गतिविधियों। 5.30 बजे नाशा, 6 बजे नाता, 7 बजे किस्मत, 8 बजे बाहर गेटिविधियों, 8 बजे नाता, 9 बजे नास्ता, 10 बजे नास्ता, 11 बजे नास्ता, 12 बजे नास्ता, 13 बजे नास्ता, 14 बजे नास्ता, 15 बजे नास्ता, 16 बजे नास्ता, 17 बजे नास्ता, 18 बजे नास्ता, 19 बजे नास्ता, 20 बजे नास्ता, 21 बजे नास्ता, 22 बजे नास्ता, 23 बजे नास्ता।

प्रतिभागी रहित गतिविधियों के तहत टॉपर पोल, विशाल गजना/बड़ी सागरी, बुलबुली, लोक युग, लोकगीत, कविता पाठ, बंडल मेंगिंग, पेपर कुटी, अधिनियम, मोर्चा की कहानी, ताक की कहानी के महाराज एवं राजस्थानों का प्रतिभागियों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बड़ चक्कर हिस्सा लिया।
उत्साह और उल्लास

4 फरवरी को साहसिक एवं फन गतिविधियों यथा दायर टनल, दायर वानल, चहमम दौड़, मेडक कुद, मैसा कूड, रसील कूड आदि के माध्यम से कब-बुलबुल ने खुब मनोरंजन किया एवं शिविर में कब-बुलबुल के आयु वर्ग की रचनाओं एवं आयुक्तकरणों को दर्शान में रखते हुए जड़कुड़ के बर्तन को नवाज़ गया।

गोलापण, बादामी, पौंपकीमों, खीर, आईसक्रीम, मीठी रूई, पेस्ट्री, पेटीज, बिस्किट, रसगुल्ला, पानीपती, कुकुरु, चित्रा, क्रिमेरोल आदि आंजनों ने नहीं-मुहल कब-बुलबुल को आनंदित किया।

ठूली की साफी का कोच्चुत राजनीतिकों की समागमियों में भी कम नहीं था, वेलिका का भरोसा सुकर बाहरी राज्यों से आये कब-बुलबुल ने खुब उठाया। यह जलिंधर दुल्लूगे के माध्यम से उत्सव की समृद्धि भीड़ में बच्चों में उत्साह और उल्लास का वातावरण कायम रहा।

रात्रि कैम्प फायर जिसको लालफूल व कलर्व कहा जाता है, में सभी समागमियों ने बड़ा बड़ा शहरमगिता की और सुन्दर एवं मनमोहक प्रस्तुतियों दी।

समापन की बेला

5 फरवरी को हुए समापन समारोह में मुख्य अधिशि जिला कलेक्टर अनिल गुप्ता थे। तथा विशिष्ट अधिशि के रूप में मंडल रेल प्रशासक अनिल कुमार उद्धव, मोहनलाल स्वामी संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राज्य संगठन आयुक्त (स्कूल) गोपाल मालिक, मंडल प्रमुख राजेश चूड़ा उत्सवाधीन रहे। समापन समारोह में अधिशियों के स्वागत हेतु पत्रों के रूप में बुलबुल ने स्वागत किया। तत्परताल बड़ी सलामी, विशाल गर्ल्स के माध्यम से सभी का स्वागत किया। आमेर की कठी क्षेत्र समग्री, वह उत्सव में पहुंची जिला मुख्यालय बुलबुल, लत्ता शासनीय संथ बीकानेर, और भिनोद चौधरी आदि को आभार श्रद्धांजलि करते हुए समापित किया गया।

इस अवसर पर मंडल स्वच्छ देवनाथ पुरस्कार, उपराष्ट्र राजस्थान संयुक्त विभाग, पदवी वर्धिता, जनरल मुख्यालय बुलबुल, शहीद मुख्यालय बुलबुल और अन्य समस्त अधिशि को समाप्ति रहा।

आभार एवं धन्यवाद

मंडल चीफ कमिश्नर विजय शंकर आभार एवं धन्यवाद द्वारा सभी को आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उत्सव को मूर्ति रूप देने के लिए बीकानेर मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त शृंगार्य आयस का स्मृति दिनेके अधिशि ने समापित किया।

उत्सव के सफल आयोजन हेतु विभिन्न प्रकार से सहायता करने हेतु राजेश चूड़ा मंडल प्रमुख, मिलन देवल्स बीकानेर, योगयात्रा मंडल बीकानेर, राजस्थान नए मंडल उपप्रभात–जिला हुनमागढ़, अमोल स्कूल ड्रेसेज संयोजन, राजस्थान स्कूल ड्रेसेज संयोजन, और अन्य समस्त अधिशि के सहयोग के जुड़े रहे।

संवाद एवं सहयोग

रीजनल लेखन कब बुलबुल उत्सव के सहसंवाद समूह के विषय से निर्धारण, सरकारी समारोह, स्वतंत्र शिशुश्वास में सम्बंधित बातें अधिशि के सहयोग के जुड़े रहे।

मंडल रेल प्रशासक अनिल कुमार दूबे कब और बुलबुल के गतिविधियों को देख बूढ़ा अभिमुख हुए और कहा कि वासव में बालकों के इतिहास वर्ग में एकचक्कर करते हुए। जिला कलेक्टर अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि कब-बुलबुल ने कितनी गतिविधियें मात्र उठाया।

इस अवसर पर पूर्व राज्य प्रशासन का शाही ऊतक राजस्थानी के हेतु उनके प्रशासन का कार्यालय उत्सव का नाम रखा।
गणतंत्र दिवस आयोजन

जयपुर रेखत स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र, जगतपुरा पर गणतंत्र दिवस हर्षालसे मनाया गया। स्टेंट कमिशनर (मुख्यलय) सांवर मल बर्मा द्वारा झण्डाराहण कर

स्काउट गाइड की परेड का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर राज्य कोषाध्यक्ष मनोज जैन, निदेशक प्रशिक्षण केंद्र रूप सिंह मीना एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण केंद्र पर संचालित सांस्कृतिक प्रतिमा कौशल प्रशिक्षण शिक्षक के समारोह में विभिन्न प्रस्तुतियों से आगमन अतिथियों एवं पदाधिकारियों को अपनी कौशल प्रतिमा से सबूत कराया। इससे पूर्व समारोह में द्वारा अतिथियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

स्थानीय संघ श्री करनपुर के सचिव अधिनायक नारायण को उक्तबाट कार्यों के लिए 26 जनवरी को उप जिला कलक्टर मुकेश बारेट द्वारा समानानि किया गया। इस अवसर पर राजस्थान राजस्थान स्काउट एवं गाइड, जिला मुख्यलय, सीकर के तत्तावाध्य में देश के गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्टेडियम पर स्काउट गाइड द्वारा मार्च पास्ट तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। जिला स्तरीय पत्र एवं प्रतीक बिन्द प्रदान कर समानानि किया।

सबसे पहले प्रांगण द्वारा सयांक के प्रारम्भ किये उसके बाद 8 वजन जिला मुख्यलय भवन पर सुयश लोड़ा सी.आर. (गाइड) व बनारस कुमार लाला सी.आर. (स्काउट) ने स्काउट गाइड रोजर रेंजर की उपस्थिति में तिरंगा फहराया एवं भारत का शिकार बनाकर संगोष्ठी की। साथ ध्वजावरण के बाद दीपोपोन्य मनाया एवं भारत माता के सिंह पर दीप जलाये तथा संविधा का सन्देश दिया। सांवरचालन में स्काउट गाइड जिला मुख्यलय, सीकर पर विशाल कैम्प फैक्टर का आयोजन किया। पिरामिड, किविज प्रतियोगिता, देश भरती गीत, भाषण, निबंध प्रतियोगिता आयोजित की तथा प्रदर्शनी एवं झूंकी सजाई गई। सीकर जिले के सभी स्थानीय संघ मुख्यलयों पर तिरंगा फहराया एवं देश भरती से ओटप्रोस्कर कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। पूर्व संंघ का ध्वजावरण के बाद दीपोपोन्य भी मनाया गया।

स्थानीय संघ, झोटवाला—जयपुर रेखत विजय गुप्त अफ एन्जुकेशन द्वारा गणतंत्र दिवस हर्षालसे मनाया गया।

विजय गुप्त अफ एन्जुकेशन के चेयरमैन ताराचन्द चौधरी
विविध विभाग के अधिकारी अभियंता बंगाल प्रवास क्षेत्र द्वारा अपनाए वर्मा द्वारा भाषा और विद्यालय में स्कूल गाइड की परेड का निरीक्षण किया गया। इस समारोह पर श्री वीरेंद्र और श्री वर्मा ने राजकोट की आवाज प्रदान करने वाले स्कूल गाइड को ड्रेक सूट देकर समानान्तर किया। विजय सेंट्रल एक्स्प्रेस विश्व और एक्स्क्लूजन के निदेशक संजय कुमार रियाया ने स्कूल गाइड को उपस्थित रूप से बढ़ाने वाले समाज के अपने कर्मचारी कार्य करने के लिए आदेश दिए। स्कूल के अध्यक्ष श्रीमान ने अपने दर्शनार्थ द्वारा विद्यालय में 2 स्कूल ग्रुप, 1 ग्रुप कमनी, 1 कम पें, 1 बुलबुल एवं 1 रेंजर दीप संयोजित की जा रही है। इस अवसर पर संजय सेंट्रल कोलेज में रोवर क्रू प्रशासन करने के लिए कोलेज के विद्यार्थियों को अवश्य मिला।

राजस्थान राज्य बंगाल गाइड, जिला मुख्यालय, विस्तार द्वारा गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में स्वच्छता रक्तदान एवं यातायात (हेलमेट) सुरक्षा को प्रशस्त करती झीली निकाली गई, जिसने तृतीय स्तर प्राप्त किया।

यहाँ हावा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त पूर्ण सिंह शेखावत ला एवं स्थानीय संग्रह प्राधिकृत डॉ. मुकेश मोहन दादीच, सहायक लीडर ट्रेनर योगेंद्र भाष्याज, बिमलेन्द्र शरी, स्थानीय संग्रह सचिव प्रकाश जायसवाल, अग्रज स्कूल गाइड एवं स्थानीय संग्रह पदार्थाकारियों के साथियों में गाई अफ़ ऑनर, विशाल गर्जना, एफ़ बुलबुल खेल, पिरामिड, राष्ट्रीय नृत्य, सामुहिक गीत आदि की प्रस्तुति के साथ आयोजित हुई। इस अवसर पर तुरंत पास: कच्ची घड़ी की प्रस्तुति दी गई, साथ ही पिरामिड एवं शारीरिक प्रशासन, राजस्थानी संस्कृति से ओट-पोट लोकगीत एवं लोकनृत्य, आशा गीत आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। अंतिम से वर्तमान वायु प्रतियोगी राजस्थानी संग्रह ग्रुप के कार्य को एवं शिल्प कार्य को प्रदर्शन किया गया।

राजस्थान के कुलमाल गाइड स्थानीय संघ के राजकीय आदेश उच्च माध्यमिक विद्यालय कुमारी के स्कूल मास्टर एवं शारीरिक शिक्षक राकेश टांको का बाल क्रू श्लेष्मा कार्यक्रम में आयोजित जिला अधिकारी गणतंत्र निर्देशक के मुख्य समारोह में नृत्य अभियंता एवं जिला कलक्टर पी.सी. बेवाल, जिला प्रमुख प्रवेश कुमार सालवी, जिला पुलिस अधिकारी मनोज कुमार, सभापति नगर परिषद राजस्थान सुरेंद्र कुमार पालियाल ने जिले में सकारात्मक क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने के फलस्वरूप मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर समानान्तर किया।
राजस्थान राज्य भारत स्कूल व गाइड के तत्वावधान में राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुरा, जयपुर पर 23 से 27 जनवरी 2018 तक सांस्कृतिक प्रतिभा कौशल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 224 की सहभागिता रही।

पाँच दिवसीय शिविरकार्य के प्रथम दिवस सांस्कृतिक प्रतिभा कौशल के अनुसार संभागियों को अलग-अलग गुप्ता में विभाजित कर प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया। संभागियों को राजस्थान कौशल एवं आजिजिका विकास निगम के जनरल मेंजर विक्रम सिंह एवं अरविंद पांडे द्वारा रिकल्बॉटल्प्लेंट पर वार्ता दी गई।

द्वितीय दिवस गुप्ता लोकनरूप, गायन, वाद्य-शास्त्रीय वादन का प्रशिक्षण दिया गया। जयपुरा प्रशिक्षण केन्द्र के निदेशक रूप सिंह भीमा द्वारा शिविर की विजिट की गई।

तृतीय दिवस संभागियों को व्यक्तिगत कौशल प्रशिक्षण दिया गया। राज्य आयुक्त एवं राज्य सचिव द्वारा विजिट की गई एवं संभागियों को वार्ता दी गई।

चतुर्थ दिवस का शुभारम्भ प्रार्थना गोष्ट एवं प्रार्थना सेवा हुआ। सभी संभागियों को डी. संगीता जायस्वी द्वारा गोष्ट एवं प्रार्थना कराये गये और इसकी विशेषताओं से भी आवाज कराया। शिविर संभागियों ने हर्षिणलक्ष्मी के साथ गणतंत्र दिवस मनाया और इस अवसर पर विभिन्न देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। रात्रि में शिविर-ज्याल कार्यक्रम हुआ, जिसमें राज्य स्तरीय युवा सांस्कृतिक प्रतिभा खोज कार्यक्रम पर विचार दिखाई गई।

आंतिम दिवस दैनिक दिनचर्या के पश्चात संभागियों ने जयपुर शहर भ्रमण हेतु प्रशिक्षण किया।

शिविर में संयुक्त शासन सचिव, पी.एच.ए.डी. विभाग सावधान मान्यता (आई.ए.एस.), राज्य कौशल एवं आजिजिका विकास निगम जैन, डायरेक्टर, बल्ल सेंटर, जयपुरा, जयपुर रूप सिंह भीमा, राजस्थान कौशल एवं आजिजिका विकास निगम के अरविंद पांडेय, जनरल मेंजर-राजस्थान कौशल एवं आजिजिका विकास निगम विक्रम सिंह, स्टेट कमिशनर (कार्यक्रम-क्रियान्वयन) आर.एस. शेखावत, राज्य सचिव रबिनद्रन भणु, राज्य संगठन आयुक्त (स्कूल) गोपालाम माली, राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) शाकुंतला वैण्य, सहा.स्टेट कमिशनर बी.एल. भीमा, सहा.स्टेट कमिशनर बी.एल. भीमा ने विजिट कर संभागियों को प्रोत्साहित किया व कौशल विकास के संदर्भ में विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया।

शिविर का संचालन सिद्धान्त दृष्टि ALT(S) मण्डल मुख्यालय, अजमेर द्वारा किया गया था और सी.ओ. स्कूल, खूंजूल भूमिका कार्यालय, सी.ओ. गाइड नागरिक ज्योतिर्लिंग महत्मा, एलएली बंसली शर्मा, एच.डब्ल्यू.बी. रामानंद आजाद, एलएली रामावतर शर्मा, एच. डब्ल्यू.बी. बाबूराम काठाल, राजू. भाइ, भोमराम, मेना राव एवं तेजस्वी द्वारा शिविर संचालन में सहयोग किया गया।
आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण शिविर

जस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्कालिन में 5 दिवसीय राज्य स्तरीय आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण शिविर 29 जनवरी से 2 फरवरी तक स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर आयोजित किया गया, जिसका संचालन सहायक राज्य संगठन आयुक्त पूर्व सिंह शेखावात ने किया व श्री.ओ. (गाइड) सिंह कुमार सुरेश लोधी, अध्यक्ष दौंता रामलाल चौधरी, छांगा लाल धाम, श्रीनाथराय गुप्ता, देही सत्यार्थ गाइड, सुरेन्द्र पांडे, बाबुबल शिवचरण, शिक्षक सिंह देही, राजदेव पारीक, प्रदीप जैन ने संचालन में सहयोग प्रदान किया। शिविर में भाग लेने वालों का संख्या 300 स्काउट गाइड रेंजर ने भाग लिया।

प्रशिक्षणाधीन स्काउट गाइड ने शिविर उपन्यास प्रस्तुत किया ये आप्रवांश कार्य करने को सीधे तैयार होने और लोगों की जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए। इस सभी ने आपदा प्रबन्धन भूमिका, बाल, अत्याचार हमलों, युद्ध काल में या जाने वाली स्काउट गाइड सेवाएं जिसमें आयोजित सहायता, कार्य में उपयोग, कार्य में लिखित, आग बुझाने के तरीके जिसमें बाली, रेंजर जिंदगी एवं टहनियों का, प्राथमिक उपचार जैसे प्रयोग, लिकॉनियों का प्रयोग, फर्स्ट एड बॉक्स की जानकारी, निर्देश, चर्चा, बाल उपचार की पहचान करने का, सदमा, बच्चे घूमने पर उपचार, कक्ष, कॉन्ट्रोल बॉन एवं कुछ की पट्टी आदि
विविध प्रशिक्षण शिविर

स्काउट गैइड जिला मुख्यालय, श्रीगंगानगर पर आयोजित मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण रोडर रेजर, नवीन नियुक्त रोडर रेजर प्रशिक्षण शिविर 23 से 27 जनवरी, 2018 तक आयोजित किये गये। इस शिविर में बीकानेर मण्डल के श्रीगंगानगर एवं हुमायुनाश्शी के रोडर रेजर ने भाग लिया। मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण रोडर रेजर प्रशिक्षण शिविर में 12 रोडर एवं 8 रेजर एवं नवीन नियुक्त रोडर रेजर प्रशिक्षण शिविर में 22 रोडर एवं 6 रेजर कुल 34 रोडर एवं 14 रेजर ने भाग लिया एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन डॉ. एस.एम. लाहिडी एवं सुपृष्टि बिस्से ने किया। समारोह तंत्र, तुरार कामता, डॉ. रवि चौधरी, सुमित्रा धीमोंज, सरोज, मोहना यादव ने शिविर संचालन में सहयोग प्रदान किया। शिविर में प्रशिक्षणधारकों को स्काउट गैइड नियम, प्राथमिक, गाइड गीत, इतिहास, पात्रता विनियम, मैथिंग, गौड़े, सेवा कार्य, क्री बोईंग ने आर्थिक प्रशिक्षण दिया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गैइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्त्वाधारण में 24 जनवरी को राज्यीय बालिका दिवस जिला केंद्र स्टेडियम सीकर पर मनाया गया, जिसमें 200 से अधिक स्काउट गैइड ने सहभागिता की। स्काउट गैइड रोडर ने भाषण, गीत और कविता प्रस्तुत किये तथा सभी स्काउट गैइड ने बालिकाओं को चरित्र, स्वास्थ्य, स्वामलाभ एवं ऋण द्वारा प्रेम से अभ्यास करने की साधना ली। इस अवसर पर सी.ओ.स्काउट बसन्त कुमार लाटा एवं सी.ओ. (गैइड) सूयश लोधा ने बालिका दिवस पर कहा कि बालिका कि मुख्य राष्ट्र की शान है। आते ही बालिकाओं को हमेशा अपने आप को कमजोर नहीं समझना चाहिए एवं अपने बच्चे रहना चाहिए। यथा स्काउट गैइड आज्ञानालय बालिकाओं को राज्यपति एवं दलितवादी फैसले दिलाना है और हमेशा ही अपने होने के लिए प्रतिसाधित करता रहता है। अभी भी जानिए बालिकाओं की स्काउट गैइड आज्ञानालय से जोड़ें एवं उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। इस अवसर पर 200 से अधिक स्काउट गैइड के साथ गैइड कॊंट्रेन सुनिना सोनी, सुमित्रा, हरिमोहन, मंजू भरू, मीना सिंधी, स्काउट मास्टर मनोहर लाल, वेंकेश दुर्गासंह मंदिर, रोडर मोदिदी नौविन, कुष्ठ काकडवाल उपस्थित हुए एवं बालिकाओं के समन्वय में अपने विचार रखने एवं स्काउट गैइड आज्ञानालय की ओर से बालिका दिवस पर कबाई दी।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गैइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्त्वाधारण में 12 फरवरी को एक उन्मूलन आंदोलन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय, बड़ा तालाब, सीकर पर किया गया। गैइड कॊंट्रेन एवं शारीरिक प्रशिक्षण रा.म.वि. कृत्य किशोर भामो ने राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट्स व गैइड्स को विभिन्न प्रकार के आलोकण के लिए एवं गैइड बालिकाओं को आलोकण पैदा करने के विभिन्न तरीकों से बताया।

श्रीमती भामो ने स्काउटिंग के माध्यम से कम्युनिटी हत्या, महिला सशस्त्रवाद, बेटी पड़ोस बेटी बचाओ सम्बन्धी जानकारी प्रदान करते हुए जिते हैं में विभिन्न विषयों के स्काउट गैइड के माध्यम से बेटी बचाओ, छोटे सुरक्षा जीवन खाने अभ्यास चलाने के बारे में बताया। शिविर में जिते सीकर क्षेत्र के राजमाथैया भूतोली की गैइड, राजमाथैया रामपुर धोई, सेम स्कूल नौमकाठिना, राजमाथैया दाता, राजमाथैया खारियावास, राजमाथैया हरसागर भड़ा, राजमाथैया खारिया, राजमाथैया रुकनसार, राजमाथैया रोलसाहबसर, राजमाथैया दोई से स्काउट्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन बसन्त लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर ने किया एवं स्काउट गैइड को जानकारी देते हुए कहा कि स्काउट
गाइड पूरे जिले में जाकर आत्मक्रोध का प्रशिक्षण प्रदान करें एवं बालिकाओं को आत्मक्रोध की प्रेरणा दें।

राजस्थान राज्य भारत स्कूल एवं गाइड, जिला मुख्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित स्कूल गाइड प्रशिक्षण शिविर के द्वितीय दिवस 18 फरवरी को 64 अनुसूचित जाति वं 50 पालथार्य एवं ग्रामीण बालिकाओं का स्कूल गाइड युनिकोर्ड का वितरण आति जिला कल्याण भवनी सिंह पालावत व सुचना व जन सम्मान अधिकारी हेमन्त सिंह, आति.जिला

प्रशिक्षण तक सीमित होने लगा है ऐसे समय में स्कूलिंग वह संस्था है जो समाज एवं राष्ट्र के लिए जीवन की भाव पैदा करती है। उद्धारन समारोह के बाद शिक्षिकायित्व को जरूरी बिन्दु बिन्दुओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया वहीं विशिष्ट ब्रिटिशियाँ भी आयोजित की गई, जिनमें सभी संबंधित ने बड़े बच्चे भी भाग लिया।

स्कूल एवं गाइड मण्डल मुख्यालय, कोटा के समागर में जिला स्वास्थ्य समिति (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) के तत्त्वाचार्य में पी.सी.पी.एन.डी.टी. प्रकौश की ओर से स्कूल गाइड संगठन एवं बाइडलाइन द्वारा 24 जनवरी को राजस्थानी बालिका दिवस पर 'बेटियाँ अभिनेत्री है' कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला की मुख्य अधिक नैसायक लीडर ट्रेनर एवं संवादित नैसायकं कर्मीय

स्वास्थ्य आयोजित विभाग विभागीय राज, कार्यशाला की अवक्ष्यता सहायक राजकीय संगठन आयुषा पूर्ण सिंह, शेखाबाबा व मुख्य वक्ता राजेन्द्र सिंह, कोटा एवं संवादित नैसायकं विषयकं कल्याण का विकास राजस्थान भवनी सिंह पालेवत व सुचना व जन सम्मान अधिकारी हेमन्त सिंह, आति.जिला

विभागीय विभागीय राज, कार्यशाला की अवक्ष्यता सहायक राजकीय संगठन आयुषा पूर्ण सिंह, शेखाबाबा व मुख्य वक्ता राजेन्द्र सिंह, कोटा एवं संवादित नैसायकं विषयकं कल्याण का विकास राजस्थान भवनी सिंह पालेवत व सुचना व जन सम्मान अधिकारी हेमन्त सिंह, आति.जिला

6 मार्च, 2018
1879 : जोन ह्यापार्ट लिकवाटर विध्युन ने 1849 में विध्युन स्कूल स्थापित किया, जो 1879 में विध्युन कॉलेज बनने के साथ भारत का पहला महिला कॉलेज बन गया।

1883 : बंदगुप्ती बंजर और कांदमबीनी गांगुली ब्रिटिश साम्राज्य और भारत में स्वतंत्र की हिंदी प्राप्त करने वाली पहली महिलाएं।

1886 : कांदमबीनी गांगुली और आरामदी गोपाल जोशी पश्चिमी देशों में प्रसिद्ध होने वाली भारतीय की पहली महिलाएं।

1905 : कार बनाने वाली पहली भारतीय महिला दुर्गौ के नाम से नवम्बर 28, 1905 को निर्माण कर दी।

1916 : भारत महिला निगम विषयिक अध्ययन, एसोसिएशन महिला विद्वान विद्वान की स्थापना समाज सुधार घोटा केंद्र द्वारा केंद्र पांच छात्रों के साथ 2 जून 1916 को की गई।

1917 : एनी बेसट भारतीय राज्य को विभा दोहरी महिला अध्यक्ष।

1919 : पत्रिका रामगारी, अपनी प्रतिष्ठित समाज सेवा के कारण ब्रिटिश राज द्वारा 'केसर-ए-हिंद' सम्मान प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला थी।

1925 : सरसोजिनी नायडू भारतीय मूल की पहली महिला थी जो भारतीय राज्य को अध्यक्ष बनी।

1927 : अंधेरी भारतीय महिला समलैंगिक स्थापना की गई।

1944 : अक्षिया गंगा एसोसियेशन ऐसी पहली भारतीय महिला थी जिन्हें किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा विषय में डिप्लोमा की उपाधि से सम्मानित किया गया।

1947 : 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता के बाद, सरसोजिनी नायडू संयुक्त प्रदेशों की राज्यपाल बनी, और इस तरह वे भारत की पहली महिला राज्यपाल बनी।

1951 : डेकन एनजी के प्रथम महिला विश्वविद्यालय भारतीय महिला विश्वविद्यालय की प्रथम विभाजन।

1953 : विजय लक्ष्मी पंडित नूर टाइडेड नेशनल जनरल एसोसिएशन की पहली महिला। (और वहीं भारतीय) अध्यक्ष थी।

1959 : अंना चाँदी, किसी उच्च विद्यालय के (कोर्ट उच्च विद्यालय) की पहली भारतीय महिला जज बनी।

1963 : सुशांती गुप्ता उच्च प्रदेश की मुख्यमंत्री, किसी भी भारतीय राज्य में मुख्यमंत्री ने सेवाएं वाली वे पहली महिला थी।

1966 : फेंटन और दुर्गा बननी सरकारी एयरलाइंस, भारतीय एयरलाइंस, की पहली भारतीय महिला पायलट बनी।

1966 : कमलदेवी विधायक ने संयुक्त राज्य के लिए रेमन मैंसेंस पुरस्कार प्राप्त किया।

1966 : इंडिया स्कूल भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी।

1970 : कमलारी एशियन में गोंदा जीतने वाली पहली भारतीय महिला थी।

1972 : फिरेंग वेंडी भारतीय पुलिस सेवा (इंडियन पुलिस सेवा) में महत्त्व प्राप्त करने वाली पहली महिला थी।

1979 : मदर रेंजर ने वॉर्ल्ड शैक्षणिक पुरस्कार प्राप्त किया और वह समाज प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला नागरिक बनी।

1984 : 23 मई को, बच्चन पीला वार्ता एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला बनी।

1989 : विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय की पहली महिला जज रही।

1992 : हरियालय भारतीय धर्मसेवा में महत्त्व प्राप्त करने वाली पहली महिला केंद्र थी। (6 मार्च 1993 को उसने समर्पण किया गया।)

1994 : हरियालय कोर देशों में वापसी सेवा में अपने जीवन के उपर वाली पहली भारतीय महिला पायलट बनी।

1997 : कांग्रेस विश्वास, भारत में जमीं ऐसी प्रथम महिला थी जो अंतरिक्ष में गई।

2000 : जी पेंज नेल्लेचार्टेल ओलिम्पिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी। (सिडनी में 2000 के समार ओलिम्पिक में कांस्ट पदक)

2002 : लक्ष्मी सहगत भारतीय राष्ट्रपति पद के लिए खड़ी होने वाली प्रथम भारतीय महिला थी।

2004 : पुर्तगाल और नामीबिया में लेपोलेश्न जनरल के सर्वविधि पद तक पहुंचने वाली प्रथम भारतीय महिला बनी।

2007 : प्रतिष्ठा पातल भारत की प्रथम भारतीय महिला राष्ट्रपति बनी।

2009 : मीरा कुमार भारतीय संसद के निवास सदन, लोक सभा की पहली महिला अध्यक्ष बनी।
राजकीय उद्योग प्राथमिक विद्यालय, 
शिशुधरी (बाइदेम) के स्कूल लगा गाइड 
दल एवं पतेंद्रित योग समिति शिशुधरी के 
संस्थान तत्तावधान में सूर्य नमकार का आयोजन किया गया। इस 
आयोजन पर विद्यालय के 400 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं 
ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमकार किया। विद्यालय के 
स्कूल लगा गाइड लड़की योग शिक्षक जेदारम चौधरी ने सूर्य 
नमकार के विभिन्न आसनों प्रागृहासन, उद्धृति आसन 1, 
पादहस्तासन, वाम अन्य संस्थान आसन, सादोंग आसन, 
पर्वहस्तासन, गुडा-गांधी आदि के बारे में विस्तृत से समाधान किए 
सभी को सूर्य नमकार करवाया।

शिक्षकों के साथ-साथ बिद्यार्थियों ने पूर्ण उत्साह के 
साथ सूर्य नमकार किया। योग शिक्षक श्री चौधरी ने कहा कि 

राजस्थान राज्य 
भारत स्कूल लगा गाइड, 
मण्डल मुख्यालय, कोटा 
के तत्तावधान में 9 
फरवरी को मण्डल 
मुख्यालय पर भारत 
स्कूल लगा गाइड, नई 
दिल्ली के निर्धारणुनार 
राजस्थान के एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। वर्कशॉप में 
व्यवहारिक एवं खेलों के माध्यम से शिक्षण कराया गया।

राजस्थान संगठन आयुक्त गाइड शकुनलाल वैनीय ने वर्तमान 
परिस्थितियों में इंटरनेट के समक्षक के नेटवर्क, प्रोटेक्ट एवं रेसिपेट की 
ध्यान में रखते हुए ओनलाइन सुरक्षा की जानकारी को देने के 
लिए कहा। सहलीडेक्ट्रं लंगर कुमार शामी, मण्डल कोषालय 
विज्ञान महाशिवर, मण्डल सचिव यहदार हाँड, सहलाराय संगठन 
आयुक्त पूर्ण सिंह शेख्वान ने सर्क स्मार्ट की गतिविधियों से नौजवानों का 
नई डिजिटल कालेडिन किन्तु कर्माण्ड करने एवं जागरूक करने की बात कही।

कार्यशाला में डिजिटल भारत के सपने को साकार कर डिजिटल 
भुगतान के विभिन्न तरीकों को जानकारी दी गई। इंटरनेट, ऑनलाइन 
एवं मोबाइल बैंकिंग में स्कूल लगा गाइड को महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने 
का आहवान किया।

वर्कशॉप में देश उच्च शिक्षा, बिजनेस, वाणिज्य महाविद्यालय 
कोटा, प्रागृहित एकीकरण, जोड़करी कोलेज, सहित अपने रोर क्रू 
व रेंजर टीम के रूपेर रेंजर, स्कूल लगा गाइड, स्कूल लगा गाइड ने भाग 
लिया। कार्यक्रम में सहायक लड़की ट्रेनर गोपाल दत्त भिष्म, रेनेडшая शामी, 
स्थानीय संघ सचिव रामगोपाल सुहन रेंजर लड़की विनोता रोंग, ट्रेनिंग 
कार्यस्थल सम्मिलित हुए।

राजस्थान राज्य भारत स्कूल लगा गाइड, 
अंतर्देश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के संयुक्त 
तत्तावधान में 18 जनवरी को रक्तदान सिद्धांत का 
आयोजन जिला आयुक्त विकिटालय प्रतापगढ़ में 
किया गया, जिसमें स्कूल लगा गाइड कालेडिन भूमिका 
मरौत शहीद शासन और गाइड अनुसंधान मोड, 
सुनिता मीना के साथ-साथ आदर्श 
क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के फोर्ड टाफ्फ ने भी 
रक्तदान किया।

इस अवसर पर ब्रॉड बैंक अभियान की भी कार्यक्रम 
पी. डी. रायमा, डी. इंटी अमूल, सी.टी. (स्कूल) 
अनिल कुमार गुप्ता, जिला प्रशिक्षण आयुक्त 
पूर्ण सिंह शेखवान, स्कूल लगा गाइड की, 
शाब्दक भारती जैन आदि ने कार्य को 
मन से पुनःरतिष्ठ करने की विशेषता 
से अवगत किया एवं बताया कि एक 
व्यक्ति के रक्तदान के लिए एक 
काल की जान बचाई जा सकती है।

स्कूल लगा गाइड ज्योति
राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, जिला मुख्यालय, श्रीगंगानगर के स्थानीय संघ साधुलशहर द्वारा 2 फरवरी को स्वच्छता महामिलन के अन्तर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में स्थानीय संघ साधुलशहर के विभिन्न विभागों से लगभग 600 स्काउट गाइड, रोवर रेजर छात्र छात्राओं ने भाग लिया। उपखण्ड अधिकारी नीलाम सकैना ने रैली को हरी झड़ी दिखाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मानसिंह प्रजापति, पुलिस विभाग से सब इन्सपेक्टर सोहन लाल, सामुदायिक बैंक के मैनेजर अयूब खान, स्थानीय संघ सचिव रामकुमार गैंदर, स्काउट मैस्टर कुरंडाला से गुरदत्त सिंह रहित साधुलशहर से विभिन्न विभागों एवं महासंघों से आए स्काउट व गाइड लीडर एवं गण्मान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। रैली बस स्टेडियम से होते हुए साधुलशहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए महत्त्वपूर्ण चौक पर आकर समाप्त हुई।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्तावधान में 13 फरवरी को बड़ा तालाब क्षेत्र में स्वच्छ भारत सुन्दर भारत अभियान के तहत सफाई अभियान चलाया गया, जिसके अन्तर्गत राजकीय सम्राट बल में लेकर मार्ग पर तक एवं उसके बाद बड़ा तालाब में पानी जाने वाले नाले की सफाई करते हुए पौड़ीचिन एवं कचरे को एकत्र किया एवं क्षेत्र को स्वच्छ बनाया। सेवा कार्य सी.ओ. (स्काउट) बसस्त कुमार लाटा एवं स्काउट शिक्षक एवं शासील शिक्षक रामचंद्र कुरंडाला कियों भास्कर सममूट में सम्मानित किया गया, जिसमें जिला सी.ओ. क्षेत्र के राबोआबादी भूमदल की गाइड कोमल, मनोज, मोना, किरन, सारिका, ममता कुमार, राममय ग्राम पोई, सेम स्कूल नीमकाठाना, राममाल दांता, राममाल खाँचरियावास, राममाल हरसाबा बड़ा, राममाल ओटिया, राममाल रुकनार, राममाल रोलसाहबसर, राममाल थों के स्काउट्स धर्मराज, लेख राज, विनेश, मनोज, पवन कुमार धांस, एक्सियोक, विनेश सिंह, कमलेश, विनेश सिंह, रहुल कुमार, पुनीत मार्वल, कुमन लाल सैनी, दिलीप मिश्रा, दीपेश सिंह, सुनील गायद, नंदी भोजन, विनेश सिंह, राहुल, अजय, मनोज कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती भास्कर ने कहा कि स्काउट गाइड चरित्र, स्वस्थ, स्वालम्बन और सेवा में हमेशा ही अग्रणी रहने हैं व पूरे जिले में सक्रियता से कार्य करें एवं स्वयं समाज की सेवा करें ताकि स्वच्छ एवं स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके। स्वच्छता एवं स्वस्थ पर श्री लाटा ने विस्तार से जानकारी प्रदान की।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, कोटा—दक्षिण के तत्तावधान में स्थानीय संघ क्षेत्र के स्काउट गाइड रोवर रेजर द्वारा 16 फरवरी को स्थानीय संघ सचिव प्रकाश जात्साहार के नेतृत्व में दोपहर दो बजे से जिला शिक्षा अधिकारी (मायावनिक शिक्षा) कार्यालय में श्रमदन कर कार्यालय परिसर की सफाई—सफाई की गई।
पीपलू-नानेर में लता वेलफेर गोसायडी के स्काउट दल ने पल्स पोलियो अभियान के तहत रैली निकाली। त्रिलोकपंथ न्यूवाल ने बताया कि रैली राजकीय प्राथंमिक स्वास्थ्य केंद्र से गाँव के विभिन्न मार्गों से होकर निकाली गई, जिसमें पोलियो की दवा मिलने के लिए आमजन को जागरूक किया गया। स्काउट्स ने पहले जाकर 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो बूथ पर से जाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कपालक शिवराज सिंह, सीताराम शर्मा, इमरान खान, विमोचन शर्मा आदि उपस्थित थे।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गैडल, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्कालिन में 28 जनवरी को सीकर शहर में पल्स पोलियो अभियान में स्काउट गैडल और रोवर रेंजर जोशी ने शहर के विभिन्न वार्ड, योजना नगर, कक्षी बस्ती आदि स्थानों पर सेवाएं प्रदान की। योजना नगर में जिला कलकार नरेश कुमार तुकाराम, पी.एम.ओ. सुरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. निर्मल कुमार, बी.एल. मील, तरुण जोशी ने पल्स पोलियो अभियान और इसमें सेवा देने स्काउट गैडल, रोवर रेंजर के कार्यों को देख प्रभावसागर बनकर की। इस अवसर पर सी.ओ. (गैडल) सुयश लोडा एवं सी.ओ. (स्काउट) बसंत कुमार लाटा के नेतृत्व में नरेश गौरव, तिरस्कार स्मिता कुमार, मीना गुप्ता, प्रमोद ठाकुर, अभिजन आदि ने पल्स पोलियो अभियान में सहयोग किया। रेंजर टीम शिवसिंहुरा सीकर, आनन्दी देवी आंपू रेंजर टीम खाटूसागर की रेंजर्स, मल्हार ओपन रोवर गूँ के रोवर घर पर जाकर समन्वय कर पीढ़ियों तक के बच्चों को लाने के लिए दिन दिन अधिकतम प्राप्त।

जोशी के नेतृत्व में 7 पल्स पोलियो बूथ पर 510 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई।

जिला मुख्यालय, सीकर के तत्कालिन में 23 जनवरी को देश के महान सपूत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंति दर्शक बंगाल सीकर पर समारोह पूर्वक मनाई गई एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन से सीख लेकर देश के लिए कार्य करने की शाखा। उत्तराखंड अधिकारी सीकर जूधी भारतीय कार्यकर्म की सुरक्षा अथवा सीकर के तहसीलदार जगदेव शर्मा ने अध्यक्षता की। आवागमनों का स्वागत सी.ओ. स्काउट बस्ती कुमार लाटा ने किया। स्काउट गैडल और रोवर्स ने नेताजी के जीवन से जुड़ी कविता, भाषण और अनेक देश भिक्षा गृह प्रस्तुत किये।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गैडल जिला मुख्यालय सीकर के तत्कालिन में 30 जनवरी को देश के राज्यपाल महात्मा गांधी की पुण्य तिथि एवं शहीद दिवस पर स्काउट गैडल जिला मुख्यालय बड़ा तत्काल सीकर पर सी.ओ. (स्काउट) बस्ती कुमार लाटा के नेतृत्व में प्रांतीय समा का आयोजन किया गया एवं मौन प्रांतीय भी की गई। आयोजन में सबसे पहले गौरी जी के चित्र पर आगाज तिथि डॉ. रामेश्वर लाल सोलकी, प्रमुख जंगल, श्रीमान राम
खौंचड़, गणेश सेनी, रोवर लीडर समाजल कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन सत्यवीर और बसन्त कुमार लाटा ने पूर्ण अर्पित किये। इस अवसर पर स्पष्टता रावण राजस्तान के अन्य प्रारंभिकों की गई। देश के बीर शहीदों को याद करने इंद्र देशे के उपनिवेश की नामग्रह की। इस अवसर पर दो, रामेश्वर लाल सोनेकर ने गाँधी जी और देश के शहीदों के सम्मान में अपने विचार व्यक्त किये। स्काउट गाइड और रोवर्स ने आमदानी भी किया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, मण्डल मुख्यालय, कोटा। द्वारा शहीद दिवस पर कार्यालय में दो मिनट ताज़ा रोखक राष्ट्रपति महानाथ गांधी को पुकारने जा रहे थे। इस अवसर पर राष्ट्रपति को याद करने हेतु बताया जा रहा कि राष्ट्रपति ने अपने अहिंसा के विचार के माध्यम से देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराया। इस अवसर पर राष्ट्रपति के साथ अन्य बीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के वितरण का भी उल्लेख किया। मण्डल सचिव श्री यज्ञदत्त हांडा ने स्वतंत्रता की संस्थान सुरक्षा तथा समृद्धि के प्रति प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य और नैतिक दायित्त्वों पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय एकता और सद्भावना में संगठन के नियमों और प्रतिक्रियाओं का उल्लेख करते हुए उपस्थित सभागियों और रेंजर्स को स्वच्छता की शपथ दिलाई। बाइक्ल लाइन शहर समन्वयक श्रीएलवी, रेंजर्स सलाम और सोनाली राज मण्डल मुख्यालय एफ्फ़ेक्ट तेजस्वी, तरेंद्र कुमार सेन, शाहरुख मंसूरी, मनोज सरीरा आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट उ गाइड, स्वाधीन्त संघ, कोटा–दक्षिण की 5 दिवसीय स्काउट गाइड स्वाधीन्त संघ रेंजर्स 10 से 14 फरवरी तक मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, आलमनिया पर आयोजित की गई। 5 दिवसीय रेंजर्स में जहाँ विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई वही सामाजिक तथा संघर्षों से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी इस रेंजर्स में किया गया। रेंजर्स के लिए लगभग 500 स्काउट गाइड ने सहभागिता की।

स्वाधीन्त संघ, बूढ़ी की स्काउट गाइड स्वाधीन्त संघ रेंजर्स जिला स्काउट मुख्यालय वेंच गाइड, बूढ़ी में स्वाधीन्त विधायक श्री अशोक दोस्ते के मुख्य आयोजक और समापनक नगर पालिका महावीर मोदी की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन समारोह के साथ प्रारंभ हुई। समारोह के विशेष अवसर में मण्डल प्रशिक्षण वेंच महावर और अन्य मण्डलवाहनों के साथ वीप मुख्य विधायक व जनसाधन आयोजी हुए। रैली में 305 स्काउट–गाइड, कब्बारा–बुलबुरा, रोवर–रेंजर और प्रभावी आयोजित हुए।

स्वाधीन्त संघ कुंभमलगढ़, जिला राजस्थान संघ के राजस्थानी उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंभमलगढ़ के 19 स्काउट्स ने स्काउट राक्षस टर्किया और दल्ला राम मोहल के नेस्टो देस 13 फरवरी को जय पहाड़ी नाथ सेवा समिति समस्त चोखता जुना जयन्त जयन्त जी, जिला उदयपुर में आयोजित महाशिवरात्रि मेला उतस्म में अपनी सेवा दी। स्काउट्स द्वारा प्रारंभ की गई जल सेवा प्याला का शुभारम्भ महत्व जुना स्थान जयन्त 108 मान गोबिन मोहल जी महाराज के कर कमलों से किया गया। स्काउट्स ने रैली में महाप्रसाद विद्यालय और दर्शनालयों के दर्शन हेतु लाइन निमन्त जुना कुल 441 घटना की सेवा दी। रैली में स्काउट की सेवाओं का प्रभावी धन्यवाद जिला राज्य मोहन राज बुलाई ने अवलोकन किया। रैली में पृथ्वी सिंह खरबर्द और किशन लाल आचार्य का स्काउट्स की पूर्ण सहयोग मिला।
दक्षता पदक

स्कूट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही है। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनजर उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'अन्वेषक/खोजी' एवं 'नागरिक सुरक्षा' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

अन्वेषक/खोजी
EXPLORER

युवा पीढ़ी में अनेक प्रकार की जिज्ञासा रहती है। उसका आवाजाही गाइड आसानी से समझी जा सकती है। इसी उद्वेद्य की पूर्ति के लिए अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। अन्वेषक/खोजी दक्षता बैज के लिए निम्नलिखित पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित विशेष उद्देश्य के अन्दर प्राप्त, क्षेत्र या अपने प्राप्ति वाहन के यात्रा दूरी के निकट शरीर के उपर उपकरण के लिए अन्वेषक के क्षेत्र में 12 माह के समय में निम्न में से किसी एक विषय पर खोज की जावे:
   (1) पूर्व वाले या वार्तमान में मानविक पराक्रमों, नागरिकों को खोजे और उनकी वार्तमान स्थिति और दशा की सुचना दें।
   (2) क्षेत्र के उद्देश्यों, कृषि की प्रकृति, कृषि का औद्योगिक और ग्रामीण भूमि का अनुसार लगाए और इस भूमि की वार्तमान उपयोगिता की पूरी सिद्धांत तैयार करें।

2. अपने क्षेत्र के इतिहास के बारे में पूरा विवरण तैयार करें जिसमें विविध रूप से वाले स्थानों की प्राचीनता तथा उन्हें विज्ञापनों में आदि से किसी सीमा तक विकृत किया गया है, का विवरण दें।

नागरिक सुरक्षा
CIVIL DEFENCE

नागरिक सुरक्षा विभाग प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए नागरिक सुरक्षा दक्षता बैज का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। पाठ्यक्रम निम्नलिखित है:

1. अपने बाहरी या क्षेत्र में तथा अपने निवास स्थान विधायत का विभाग की 1 कि.मी. अर्धविश्वास के चर्च में उपलब्ध 'नागरिक सुरक्षा सेवाओं' यथा-वार्डन का नाम, वार्डन पोस्ट, प्राथमिक सहायता केंद्र, ऑफिसलियों, अस्पतालों और अन्य एव.आर.पी. सेवाओं (प्रदक्षिण विश्वासी सेवाओं) लाने-दानांक प्राप्त हों। जो भी उस क्षेत्र में उपलब्ध हों, उनकी विस्तृत जानकारी हो।

2. आपातकालीन स्थिति के समय 'सुरक्षा-प्रारंभ' को सही ढंग से भरता जाने और संबंधित वार्डन को लिखित सुचना भेजना जाने।

3. हाईवे हमले और अन्य आपातकालीन स्थिति में फंसे लोगों को संकट से बचाने के लिए प्राथमिक सहायता उपायक और दुर्घटना से बचाव के तरीकों को जानें।

4. आग बुझाने के क्रम-से-क्रम दो तरीकों को जानें।

5. संभावित नागरिक सुरक्षा संगठन के अभ्यास का तथा निम्नलिखित 'नागरिक सुरक्षा सेवाएं' में से किसी एक में प्रशिक्षण प्राप्त करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें:
   (1) अभ्यास शमन दर्शन (2) प्राथमिक सहायता दल (3) संदर्भ वाहक दल (4) दूर-संचार सेवा दल।

6. श्रेष्ठता (व्यवहार) मानकों में से व्यक्तियों को बचाव के तरीका जानें।

6 मार्च, 2018
### NAME OF EVENTS

- Asia-Pacific Regional Workshop on Quality Training of Adults
- APR workshop on Creating Impact through Brand Positioning and Advocacy
- 26th Asia Pacific Regional Scout Conference
- 24th World Scout Jamboree 2019-North America
- 9th Charnwood International Camp - 2019

### MONTHS & DATES VENUE

<table>
<thead>
<tr>
<th>Event</th>
<th>Months &amp; Dates</th>
<th>Website</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>Asia-Pacific Regional Workshop on Quality</td>
<td>02-05 May 2018</td>
<td>Singapore</td>
</tr>
<tr>
<td>Training of Adults</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>APR workshop</td>
<td>07-10 May 2018</td>
<td>KualaLumpur, Malaysia</td>
</tr>
<tr>
<td>Creating Impact through Brand</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>Positioning and Advocacy</td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>26th Asia Pacific Regional Scout Conference</td>
<td>15 - 20 Oct. 2018</td>
<td>Manila</td>
</tr>
<tr>
<td>24th World Scout Jamboree 2019</td>
<td>22 July - 08 Aug. 2019</td>
<td>West Virginia, USA</td>
</tr>
<tr>
<td>9th Charnwood International Camp - 2019</td>
<td>27 July - 03 Aug. 2019</td>
<td>Leicestershire</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### CELEBRATIONS FOR - MARCH & APRIL 2018

<table>
<thead>
<tr>
<th>Date</th>
<th>Event</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>04 मार्च</td>
<td>राष्ट्रीय सुशक्षा दिवस</td>
</tr>
<tr>
<td>08 मार्च</td>
<td>अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस</td>
</tr>
<tr>
<td>21 मार्च</td>
<td>विश्व वाणिज्य दिवस</td>
</tr>
<tr>
<td>22 मार्च</td>
<td>विश्व जल दिवस</td>
</tr>
<tr>
<td>23 मार्च</td>
<td>शहीद दिवस</td>
</tr>
<tr>
<td>07 अप्रेल</td>
<td>विश्व स्थारथ्य दिवस</td>
</tr>
<tr>
<td>18 अप्रेल</td>
<td>विश्व विरासत दिवस</td>
</tr>
<tr>
<td>22 अप्रेल</td>
<td>पृथ्वी दिवस</td>
</tr>
</tbody>
</table>

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to

"scoutguidejyoti@gmail.com"

### श्रद्धांजलि

राजस्थान राज्य भारत स्कूट गाइड परिवार मिश्रा के निधन पर संवेदना प्रकट करता है और प्रार्थना करता है कि

- श्री एल.एल. सांखला, पूर्व मण्डल चीफ कमिश्नर, जोधपुर मण्डल
राजस्थान के पुलिस महानिदेशक श्री ओ.पी. गल्होज़ा के साथ स्काउट गाइड ज्योति के संपादक रविन्द्रनाथ भनोत, गिरिधारी लाल शर्मा एवं सहा. संपादक नीरज जैन

आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए संभागी

राज्य प्रशिक्षण केंद्र, जगतपुरा जयपुर पर सम्पन्न प्री-ए.ए.न.टी. कोर्स के संभागी व प्रशिक्षक
भारत–বাংলাদেশ में राष्ट्रीय ध्वज के साथ पारम्परिक वेषभूषा में राजस्थान के संबंधी

जयपुर में आयोजित आर.ओ.टी. शिविर के दौरान ध्वज गीत पहुँचे संबंधी

प्रकाशक व पुस्तक: रविन्दन भोटोत, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जयपुर लाल नेहरू मार्ग, 0141-2706830 फोन, नं. 0141-2294887, 2295097 से मुम्बई।

हिन्दी मासिक एक प्रति र पने, स्पेशल विवि – प्रथम माह की छ: तारीख पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अनार्गत डाक पंजीयन संख्या:JaipurCity/404/2018-20 आर.एन.आई. नंबर : RAJ BIL/2000/1835 प्रेसक्राफ्ट :–

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जयपुर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, 0141-302015 फोन/मेल : scoutguidejyoti@gmail.com